(b) what is the total turn-over of these retail outlets during the year 1986-87 and till the first half of the current financial year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI RAFIQUE ALAM): (a) As on 30th Sept. 1988 there were 418 retail outlets operated by the National Textile Corporation.

(b) The total turn-over achieved by the NTC retail outlets during the years 1986-87 to 1988-89 (April-Sept., 1988) is given below:

Rs. in lakhs

Year	Turn over
1986-87	4499
1987-88	3649
1988-89 (April-Sept., 1988)	1775

राज्य निगमों में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निवेश

2569. श्री ईश दत्त यादव: क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राज्य वित्तीय निगमों और राज्य औद्योगिक निगमों के कामकाज में सुधार हेतु जनवरी, 1988 से अब तक रिजर्व बैंक द्वारा उनमें कितना निवेश किया गया है;

(ख) इन निवेशों का कार्यान्वयन विवरण क्या है और इन निवेशों के परिणाम स्वरूप उक्त निगमों के कार्य निष्पादन में हुए सुधार का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या हाल ही में भारतीय औद्योगिक, और वाणिज्य मंडल महासंघ ने कुछ सुझाव दिये हैं, और यदि हां, तो इन सुझावों/सिफारिशों की मुख्य विशेषतायें क्या है; और

(घ) यदि हां, तो इन सुझावों के कब तक कार्यान्वित किये जाने की संभावना है?

वित्त मंत्रालय में आर्थिक कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फेलेरियो): (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि उसने जनवरी 1988 से राज्य वित्तीय निगमों के बांडों में कोई अभिदान निवेश नहीं किया है। लेकिन भारतीय औद्योगिक विकास बैंक ने सूचित किया है कि उसने जनवरी, 1988 से सितम्बर, 1988 तक राज्य वित्तीय निगमों तथा राज्य औद्योगिक विकास निगमों को साधन समर्थन के रूप में कुल 686.60 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है। भारतीय औद्योगिक विकास बैंक ने यह भी बताया है कि वह विभिन्न राज्य वित्तीय निगमों/राज्य औद्योगिक विकास निगमों की समग्र संगठनात्मक कार्य क्षमता मे सुधार करने तथा उनके परियोजना मूल्यांकन तथा अनुवर्ती-कार्रवाई की गुणवत्ता में सुधार करने के वास्ते कार्य-निष्पादन मूल्यांकन अध्ययनों में सुझाव देता रहा है। इन सुझावों के क्रियान्वयन में हुई प्रगति पर निगरानी रखी जाती है। राज्य वित्तीय निगमों. राज्य औद्योगिक विकास निगमों के निदेशक मंडलों में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के नामित निदेशक भी होते हैं जो पुनर्वित्त आदि के लिए भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा निर्धारित मार्गनिर्देशों का उचित अनुपालन सुनिश्चित करते है।

(ग) और (घ) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक ने सूचित किया है कि भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (फिक्की) ने अक्तूबर, 1988 में नई दिल्ली मे राज्य औद्योगिक विकास निगमों/राज्य वित्तीय निगमों की परिषद और बैंकों की एक बैठक बुलाई थी। बैठक में जो सुझाव दिए गए उन में मुख्य ये हैं: संयुक्त मूल्यांकन करना, ऋण आवेदन फार्मों का मानकीकरण करना, ऋण दस्तावेजों को सरल बनाना, बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं में मार्गदर्शन कक्षों की स्थापना करना तथा ऋण सहायता की मंजूरी और संवितरण में प्रक्रिया सम्बन्धी देरी को कम करना। भारतीय औद्योगिक विकास बैंक राज्य वित्तीय निगमों तथा राज्य औद्योगिक विकास निगमों के बीच उपयुक्त समन्वय सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है तथा

राज्य वित्तीय निगमों/राज्य औद्योगिक विकास निगमो के प्रयोग के वास्ते एक समान ऋण-आवेदन/ऋण दस्तावेज तैयार कर लिए गए हैं । अधिकांश राज्य वित्त निगमों तथा राज्य औद्योगिक विकास निगमों ने उद्यमी मार्गदर्शन कक्ष स्थापित कर लिए है ।

Revival of interest free sales tax loan to the SSI Units in Tamil Nadu

2570. SHRI G. SWAMINATHAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that liberalised interest free sales tax loan granted by the Tamil Nadu Government in G.O Ms. No. 499 Industries, dated the 8th May, 1986 a benefit of 20 per cent on fixed assets or Rs. 20 lakhs whichever is lower in a period of six years has been reduced to 8 per cent of the value of the fixed assets or Rs. 7.5 lakhs in a period of six years during the President's Rule in Tamil Nadu;

(b) if so, the reasons for the dicincentive to small scale industries whereas they need encouragement at the present juncture; and

(c) whether Government will consider reviving the original liberalised interest free sales tax loan to the S.S.I. units in Tamil Nadu?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF REVENUE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI AJIT PANJA): (a) to (c) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Fraud cases in State Bank of Indore

2571. SHRI RAM NARESH YADAV: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some cases of fraud to the tune of about Rs. 1.32 crores came to light in the State Bank of Indore, Amana, Dewas branch in Madhya Pradesh during 1977 and 1984;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what is the number of officers found guilty in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) to (c) Reserve Bank of India (RBI) has reported that two cases of fraud, involving amounts of Rs. 119.46 lakhs and of Rs. 12.85 lakhs had taken place in State Bank of Inore, Amana Branch (District Dewas, Madhya Pradesh) in 1977 and 1984 respectively. RBI has further reported that in the first case the fraud had been committed by the party by manipulation in hypothecation stock statement and disposal of hypothecated stocks without crediting the proceeds thereof to the account and that the funds had been utilised by the party for:

(a) Project over-run/acquisition of fixed assets;

(b) losses during gestation period;

(c) operational cash losses; and

(d) investment in associate concern.

No staff involvement was noted by State Bank of Indore in this case. The Bank was, however, advised by the RBI to place this case before its Board of Directors. State Bank of Indore has reported that the Branch Manager who committed procedural lapses in conducting the account at the Branch has since been prematurely retired from the Bank's service.

In so far as the second case is concerned, State Bank of Indore has reported that it had lodged a police complaint for unauthorised removal of stocks charged to the Bank. The